

2 अप्रैल, 1992 को उक्त अनुच्छेद के अधीन जारी की गई उद्घोषणा को एतद्वारा प्रतिसंहत करता हूँ।

नई दिल्ली,

(शंकर दयाल शर्मा)

दिनांक : 22 फरवरी, 1993

राष्ट्रपति

[फा. सं. V/11013/2/93-सी. एस. आर.]

नई दिल्ली,

माधव गोडबोले, गृह सचिव

दिनांक : 22 फरवरी, 1993

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February, 1993

G.S.R. 79(E).—The following Proclamation by the President is published for general information :—

PROCLAMATION

In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 356 of the Constitution of India, I, Shanker Dayal Sharma, President of India, hereby revoke the Proclamation issued under the said article on the 2nd April, 1992 in relation to the State of Nagaland.

New Delhi,

(SHANKER DAYAL SHARMA)

Dated : 22nd February, 1993.

PRESIDENT

[No. V/11013/2/93-CSR]

New Delhi,

MADHAV GODBOLE, Home Secy.

Dated : 22nd February, 1993.



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 61]

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1993/फाल्गुन 3, 1914

No. 61]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 22, 1993/PHALGUNA 3, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order
separate compilation

may be filed as a

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय
(नागर विमानन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1993

सा.का.नि. 80(अ). —जबकि वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 14 की अपेक्षानुसार नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय की दिनांक 19 जून, 1992 की अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 323 के तहत, वायुयान (संशोधन) नियम, 1992 का प्रारूप, दिनांक 11 जुलाई, 1992 के भारत के राजपत्र के भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) के पृष्ठ-1219--1220 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उससे प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से आपत्ति और सुझाव मांगे गए थे;

और जबकि उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता को 25 अगस्त, 1992 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और जबकि जनता से कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्न-लिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को वायुयान (प्रथम संशोधन) नियम, 1993 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2. वायुयान नियम, 1937 (जिन्हें इससे आगे उक्त नियम कहा जाएगा) के नियम 3 में;

(क) उप नियम (2), (2क) और (3) छोड़ दिये जाएंगे;